Dainik Bhaskar (Indore), 28th July 2023, Page-06

नई शिक्षा नीति के तीन साल • विद्यार्थी लैब के जरिये लकड़ी, प्लास्टिक, मेटल के साथ अन्य इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट बना सकेंगे

IIT में 7 करोड़ से बनी नई लैब, फर्स्ट ईयर से ही उत्पाद बनाना सीखेंगे छात्र

भास्कर संवाददाता | इंदौर

नई शिक्षा नीति के तीन साल पूरे होने पर आईआईटी इंदौर में इस साल से एक ऐसी लैब शुरू की जा रही जो एक छोटी फैक्टरी की तरह होगी। यहां छोटी मशीनों से असली फैक्टरी में काम कैसे होता है, छात्र यह समझेंगे और अपने उत्पाद खुद बना सकेंगे।

मेकर स्पेस नाम से बनाई इस लैब में आईआईटी इंदौर ने 7 करोड़ रुपए खर्च किए। बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों को भी यहां अनिवार्य रूप से काम करना होगा और असाइनमेंट के रूप में कुछ प्रोडक्ट बनाना होंगे। इस लैब में सभी प्रकार के आधुनिक उपकरण हैं जिनकी प्रोग्रामिंग की जा सकती है- जैसे 3डी प्रिंटिंग, लेजर, ड्रिलिंग मशीन, फेब्रिकेशन आदि। छात्र लकड़ी, प्लास्टिक, मेटल के उत्पाद व अन्य इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट भी बना सकेंगे। गर्मी की छुट्टी में बीटेक सेकंड-थर्ड ईयर के 50 छात्रों ने कैंपस में रुककर इन मशीनों से क्या-क्या बनाया जा सकता है इस पर काम किया। यह जानकारी गुरुवार को आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने दी।

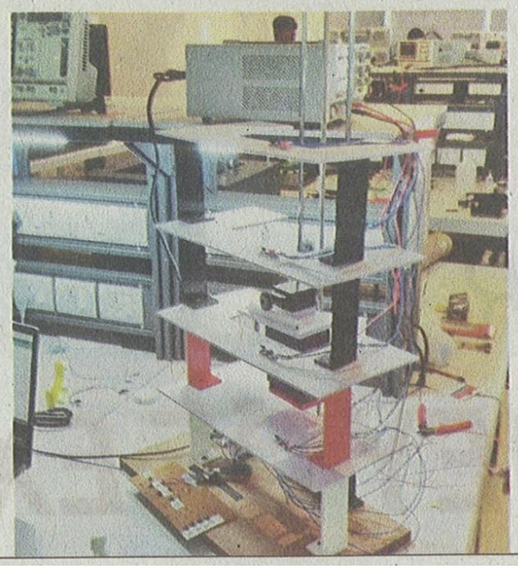

ओरिएंटेशन प्रोग्राम अब 5 दिन का, इलेक्टिव की हिस्सेदारी 12% की

प्रो. जोशी ने बताया इस साल से आईआईटी छात्रों के लिए 5 दिन का ओरिएंटेशन कार्यक्रम रखा जाएगा जो पहले 3 दिन का होता था। प्रथम वर्ष के छात्रों को भी उनकी पसंद के विषय पढ़ने की स्वतंत्रता देते हुए इलेक्टिव की हिस्सेदारी बढ़ाकर 4% से 12% की गई। ओपन इलेक्टिव को बढ़ाकर 4% से 11% किया गया। अनुभव आधारित शिक्षण को बढ़ाते हुए 10% से 15% किया है। 7वां सेमेस्टर प्रोजेक्ट को समर्पित रहेगा। इसमें छात्र किसी भी इंडस्ट्री की समस्या का समाधान ढूंढ सकेंगे। इसके लिए इमर्शन प्रोग्राम रखा जाएगा

सरकारी कॉलेज के 50 छात्र लास्ट सेम की पढ़ाई IIT में कर सकेंगे

आईआईटी 29 जुलाई को दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मप्र सरकार के साथ एमओयू करेगा। इसके माध्यम से सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के 50 छात्र आईआईटी में आखिरी साल की पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए छात्रों के नाम उनके कॉलेज द्वारा नॉमिनेट किए जाएंगे। परीक्षा व इंटरव्यू से इनका चयन किया जाएगा।